1000203 - B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X

कक्षा - X

HINDI हिन्दी

(Course A)

(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे] [अधिकतम अंक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 14 हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अविध के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश:

- (i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं क, ख, ग और घ।
- (ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।
- (iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

1 P.T.O.

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए।

दैनिक जीवन में हम अनेक लोगों से मिलते हैं जो विभिन्न प्रकार के काम करते हैं – सड़क पर ठेला लगाने वाला, दूध वाला, नगर निगम का सफाईकर्मी, बस कंडक्टर, स्कूल अध्यापक, हमारा सहपाठी और ऐसे ही कई अन्य लोग । शिक्षा, वेतन, परंपरागत चलन और व्यवसाय के स्तर पर कुछ लोग निम्न स्तर पर कार्य करते हैं तो कुछ उच्च स्तर पर । एक माली के कार्य को सरकारी कार्यालय के किसी सचिव के कार्य से अति निम्न स्तर का माना जाता है, किंतु यदि यही अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करता है और उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करता है तो उसका कार्य उस सचिव के कार्य से कहीं बेहतर है जो अपने काम में ढिलाई बरतता है तथा अपने उत्तरदायित्वों को निर्वाह नहीं करता । क्या आप ऐसे सचिव को एक आदर्श अधिकारी कह सकते हैं ? वास्तव में पद महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण भाव और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता ।

- (1) एक माली का कार्य सरकारी सचिव के कार्य से भी बेहतर है, यदि -
 - (क) दोनों को काम की तुलना उनके पद वेतन से न की जाए
 - (ख) माली अपने काम को कुशलता से करे किंतु सचिव ढिलाई बरते
 - (ग) सचिव अपने काम को कुशलता से करे
 - (घ) माली अपने काम को कुशलता से करे
- (2) 'सफाईकर्मी' शब्द में कौन सा समास है ?
 - (क) द्वन्द्व
 - (ख) कर्मधारय
 - (ग) तत्पुरुष
 - (घ) अव्ययीभाव
- (3) कार्यप्रणाली में पारदर्शिता का तात्पर्य है -
 - (क) काम करने के ढंग में बरती गई चालाकी
 - (ख) कार करने के ढंग में बरती गई कुशलता
 - (ग) काम करने के ढंग में बरती गई दृढता
 - (घ) काम करने के ढंग में बरती गई स्वच्छ सोच।

5

1

1

1

'बेहतर' के लिए हिंदी पर्याय क्या होगा ? (4) 1 (क) उत्कृष्ट (ख) उत्कृष्टतर (ग) उत्कृष्टतम (घ) अच्छा इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है -1 (क) स्तर - भेद (ख) काम की महिमा (ग) ऊँच - नीच (घ) कर्मनिष्ठा की महिमा निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5 महात्मागांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे । वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा । उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है । ऋषि - मुनियों ने कहा है - बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुत: चोर है । महात्मा गांधी का समस्त जीवन - दर्शन श्रम सापेक्ष था । उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्त्ता होना चाहिए । उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं । न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण को पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात हो रही है । दक्षिण कोरिया वासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है. जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है। 'चोर' की परिभाषा क्या है ? (1)1 (क) किसी का सामान चुराना (ख) बिना श्रम मौज करना (ग) बिना श्रम भोजन करना (घ) पाप का अन्न खाना गाँधीजी पापी किसे मानते थे -(2) 1 (क) हिंसक को (ख) बेरोजगार को (ग) श्रमिक को (घ) श्रम न करनेवाले को

2.

	(3)	महात्मा गाँधी का समस्त जीवन – दर्शन श्रम सापेक्ष था का आशय है –	1
		(क) महात्मा गाँधी जीवन में श्रम को महत्व देते थे।	
		(ख) महात्मा गाँधी के सभी विचार श्रम पर आधारित थे ।	
		(ग) महात्मा गाँधी श्रम की बजाय दर्शन को महत्व देते थे ।	
		(घ) महात्मा गाँधी विचार की अपेक्षा श्रम को महत्व देते थे ।	
	(4)	समस्त का पर्यायवाची है –	1
		(क) संपूर्ण	
		(অ) ৰুদ্ধি	
		(ग) विकास	
		(घ) महान	
	(5)	इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है –	1
		(क) श्रम की आवश्यकता	
		(ख) श्रमहीनता के दुष्परिणाम	
		(ग) महात्मा गाँधी के श्रम – संबंधी विचार	
		(घ) श्रम - सुदृढ़ जीवन का आधार	
3.	निम्न	लिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए।	5
3.	निम्न	लिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए। अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम	5
3.	निप्न		5
3.	निम्न	अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम	5
3.	निम्न	अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम ।	5
3.	निम्न	अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश!	5
3.	निम्न	अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश!	5
3.	निम्न	अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश! भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है,	5
3.	निम्न	अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश! भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है, ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है ।	5
3.	निम्न	अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश! भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है, ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है । एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश,	5
3.	निम्न	अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश! भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है, ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है । एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश, जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश!	5
3.	निम्न (1)	अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश! भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है, ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है । एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश, जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश! इसकी बागडोर हाथों में, जरा हमारे आने दो,	5
3.		अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश! भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है, ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है । एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश, जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश! इसकी बागडोर हाथों में, जरा हमारे आने दो, थोड़ा - सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो ।	
3.		अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश! भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है, ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है । एक घरेंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश, जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश! इसकी बागडोर हाथों में, जरा हमारे आने दो, थोड़ा - सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो । इस किवता का मूल स्वर है -	
3.		अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश! भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है, ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है । एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश, जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश! इसकी बागडोर हाथों में, जरा हमारे आने दो, थोड़ा – सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो । इस किता का मूल स्वर है – (क) चुनौती का	
3.		अब भी कुछ लोगों के दिल में, नफरत अधिक, प्यार है कम हम जब होंगे बड़े घृणा का, नाम मिटाकर लेंगे दम । हिंसा के विषमय प्रवाह में, कब तक और बहेगा देश! जब हम होंगे बड़े देखना, नहीं रहेगा यह परिवेश! भ्रष्टाचार जमाखोरी की आदत बहुत पुरानी है, ये कुरीतियाँ मिटा हमें तो नई चेतना लानी है । एक घरौंदे जैसा आखिर कितना और ढहेगा देश, जब हम होंगे बड़े देखना, ऐसा नहीं रहेगा देश! इसकी बागडोर हाथों में, जरा हमारे आने दो, थोड़ा – सा बस पाँव हमारा, जीवन में टिक जाने दो । इस किवता का मूल स्वर है – (क) चुनौती का (ख) संकल्प का	

		(क) प्यार का	
		(ख) घृणा का	
		(ग) संघर्ष का	
		(घ) शांति का	
	(3)	कवि की अवस्था क्या है ?	1
		(क) बचपन	
		(ख) जवानी	
		(ग) बुढ़ापा	
		(घ) प्रौढ़ता	
	(4)	कवि क्या बनना चाहता है ?	1
		(क) प्रधान मंत्री	
		(ख) राष्ट्रपति	
		(ग) लोकनेता	
		(घ) अधिनायक	
	(5)	'एक घरौंदे जैसा आख़िर कितना और ढहेगा देश में' कोन सा अलंकार है ?	1
		(क) उत्प्रेक्षा	
		(ख) उपमा	
		(ग) अनुप्रास	
		(घ) यमक	
4.	निम्नि	लिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए।	5
		न सीमा का हमारे देश ने विस्तार चाहा है ।	
		किसी के स्वर्ण पर हमने नहीं अधिकार चाहा है ।	
		मगर इक बात कहने में न चूके हैं न चूकेंगे ।	
		लहू देंगे मगर हम देश की मिट्टी नहीं देगे ।	
		किसी लोलुप नजर ने यदि हमारी मुक्ति को देखा	

5

1

P.T.O.

(2) कवि कौन - सा परिवेश बदलना चाह रहा है ?

1000203 - B1

	उठेगी जल-प्रलय की आग जिस पर क्षार सोई है ।	
	न यह समझो कि हिंदुस्तान की तलवार सोई है।	
(1)	भारत किस अवगुण से दूर रहा है ?	1
	(क) दूसरों का धन या प्रदेश हड़पने के	
	(ख) दूसरों का वस्त्र हड़पने के	
	(ग) दूसरों का मकान हड़पने के	
	(घ) दूसरों का ज्ञान हड़पने के	
(2)	लहू देंगे मिट्टी नहीं देंगे का भाव है -	1
	(क) हम अपना लहू देकर देश की रक्षा नहीं करेंगे ।	
	(ख) हम अपनी जान देकर भी अपने देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे ।	
	(ग) हम अपना लहू दिए बिना देश की रक्षा करेंगे।	
	(घ) हम अपना लहू बचाकर रखेंगे।	
(3)	'लोलुप नजर' का अर्थ है ?	1
	(क) किसी दुश्मन देश द्वारा भारत को हड़पने की कोशिश ।	
	(ख) किसी दुश्मन देश द्वारा भारत को सताने की कोशिश ।	
	(ग) किसी दुश्मन देश द्वारा भारत को भगाने की कोशिश ।	
	(घ) किसी दुश्मन देश द्वारा भारत को तरसाने की कोशिश ।	
(4)	प्रलय की आग पर क्षार के सोने का क्या आशय है ?	1
	(क) हम भारतीय वीर हैं।	
	(ख) हम भारतीय शांत हैं ।	
	(ग) हम भारतीय कर्मठ हैं ।	
	(घ) हम भारतीय वीर जोशीले होते हुए भी ऊपर से शांत हैं।	
(5)	इस पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है –	1
	(क) हिंदुस्तान की चुनौती	
	(ख) हिंदुस्तान की मनौती	
	(ग) हिंदुस्तान की बपौती	
	(घ) हिंदुस्तान की कसौटी	

खंड'ख'

5.	(क)	निम्नि	लेखित वाक्यों में से किस वाक्य में अ	कर्मक 1	क्रिया प्रयुक्त हुई है ? सही विकल्प चुनकर लिखिए –	1
		(i)	मनोज ने कार खरीदी ।	(ii)	वह किताब पढ़ रहा है ।	
		(iii)	सर्वेश सो रहा है।	(iv)	वे सभी काम करना जानते हैं।	
	(碅)	वह अ	खबार <u>पढ़ रही है</u> ।			
		उपर्युव	त वाक्य में रेखांकित क्रियाओं का भे	द निम्न	लिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिखिए।	1
		(i)	अकर्मक क्रिया	(ii)	सकर्मक क्रिया	
		(iii)	अपूर्ण क्रिया	(iv)	द्विकर्मक क्रिया	
	(ग)	निम्नि	लिखित विकल्पों से सकर्मक क्रिया व	न सही	विकल्प चुनकर लिखिए।	1
		(i)	चलना	(ii)	चलाना	
		(iii)	चल	(iv)	चलो	
	(ঘ)		ं ने मोहन को पुस्तक दी'। वाक्य में ! र लिखिए।	प्रयुक्त ी	क्रिया का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प	1
		(i)	एक कर्मक	(ii)	अकर्मक	
		(iii)	सकर्मक	(iv)	द्विकर्मक	
6.	(क)	निम्नरि लिखि		त्या प्र र्	युक्त होने वाले वाक्य के सही विकल्प को चुनकर	1
		(i)	वाल्मीकि ने रामायण लिखी।	(ii)	ममता जूते पर पॉलिश करवाती थी ।	
		(iii)	पिता जी ने हमें कुछ पैसे दिए।	(iv)	अध्यापक ने हमें पाठ पढ़ाया ।	
	(평)		कुत्ते को रोटी खिलाते हैं।' वाक्य मे र लिखिए।	ों प्रयुक्त	त क्रिया भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प	1
		(i)	अकर्मक	(ii)	सकर्मक	
		(iii)	द्विकर्मक	(iv)	एक कर्मक	

	(11)	न पर लिखि	-,	чтя	युक्त मुख्य क्रिया गिम्मालाखत विकल्पा सं युक्तिर	•
		(i)	जाकर	(ii)	पढ़	
		(iii)	लिया	(iv)	करता हूँ	
	(ঘ)	निम्नि	लेखित वाक्यों में से किस वाक्य में मु	ुख्य क्रि	ज्या प्रयुक्त नहीं हुई है ?	1
		सही (वेकल्प चुनकर लिखिए।			
		(i)	वे दिन भर दौड़ते हैं।	(ii)	बाहर भीड़ लग रही है ।	
		(iii)	में हमेशा प्रसन्न रहता हूँ ।	(iv)	उससे लेटकर नहीं पढ़ा जाता ।	
7.	(क)	•	यहाँ नहीं आने दिया <u>जा सकता</u> ।' लेखित विकल्पों से चुनकर लिखिए।		क्य में रेखांकित क्रियाओं के भेद का सही विकल्प	1
		(i)	सहायक क्रिया	(ii)	मुख्य क्रिया	
		(iii)	संयुक्त क्रिया	(iv)	तीनों में कोई नहीं	
	(평)	निम्नी लिखि		ंसंयुक्त	ा क्रिया प्रयुक्त नहीं हुई है ? सही विकल्प चुनकर	1
		(i)	अब इसे जाने दिया जा सकता है।	(ii)	तब मैं पढ़ रहा हूँगा ।	
		(iii)	इसे जाने दो ।	(iv)	रीमा ने चित्र बनाया ।	
	(刊)	'मैं च लिख		क्रिया व	का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर	1
		(i)	मुख्य क्रिया	(ii)	सहायक क्रिया	
		(iii)	संयुक्त क्रिया	(iv)	उपर्युक्त में कोई नहीं	
	(ঘ)	निम्नि	लेखित वाक्यों में किस वाक्य में सहा	यक क्रि	ज्या प्रयुक्त हुई है ? सही विकल्प चुनकर लिखिए।	1
		(i)	मुझे पत्र मिल गया था	(ii)	मैंने चित्र देखा	
		(iii)	वह घर गया	(iv)	उसने नहाया ।	

8.	निम्नि	लेखित	वाक्यों में प्रयुक्त विशेषणों के भेद दि	ए गए 1	विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।	
	(क)	शत्रु वि	त्रश्वास के <u>योग्य</u> नहीं होता ।			1
		(i)	परिमाणवाचक	(ii)	गुणवाचक	
		(iii)	संख्यावाचक	(iv)	सार्वनामिक	
	(평)	कुछ व	इ्ध मेरे लिए छोड़ देना ।			1
		(i)	परिमाण वाचक	(ii)	गुणवाचक	
		(iii)	संख्यावाचक	(iv)	निश्चित संख्यावाचक	
	(ग)	मेरे पा	स <u>सौ</u> रुपये हैं ।			1
		(i)	निश्चित संख्यावाचक	(ii)	अनिश्चित संख्यावाचक	
		(iii)	गुणवाचक	(iv)	निश्चित परिमाणवाचक	
	(ঘ)	वे बर्च	वे फिल्म देख रहे हैं ।			1
		(i)	गुणवाचक	(ii)	संख्यावाचक	
		(iii)	सार्वनामिक	(iv)	परिमाणवाचक	
9.	भरिए केशव	_ (व	<u>ह)</u> उठा और दौड़ता हुआ <u>(ख</u>)3	पों में दिए गए क्रिया विशेषणों से सही विकल्प चुनकर नाया, तो क्या देखता है कि तीनों अंडे <u>(ग)</u> टूटे	
	·		की प्याली भी <u>(घ)</u> टूटी पर ्	•		
	(क)	, ,	मोहन	(ii)	घबराकर	1
		(iii)	कैसे	(iv)	जस	
	(碅)	(i)	नीचे	(ii)	बाहर	1
		(iii)	शिमला	(iv)	कल	
	(ग)	(i)	ऊपर	(ii)	नीचे	1
		(iii)	बगल	(iv)	पीछे	
	(ঘ)	(i)	एक तरफ	(ii)	दोनो तरफ	1
		(iii)	तीनो तरफ	(iv)	चारों तरफ	

खंड 'ग'

10. गाड़ी छूट रही थी । सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए । अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था । एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे । सामने दो ताजे – चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे । डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखो में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया । सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सुझ की चिंता में हों या खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हो ।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए।

(1)	लेखक	जब प्लेटफार्म पर पहुँचा तो गाड़ी :			1
	(क)	खड़ी थी	(碅)	रफ्तार में थी	
	(ग)	छूट रही थी	(ঘ)	उड़ रही थी	
(2)	लेखक	ज के अनुमान के प्रतिकूल क्या हो गय	т?		1
	(क)	डिब्बा निर्जन नहीं था	(평)	डिब्बा सदल था	
	(ग)	डिब्बा खचाखच्च भरा था	(ঘ)	डिब्बा सहसा चल रहा था	
(3)	लेखक	ज ने डिब्बे की एक बर्थ पर पालथी म	ार कर	बैठे हुए देखा।	1
	(क)	एक भद्र पुरुष को	(평)	एक दुष्ट पुरुष को	
	(ग)	एक संन्यासी को	(ঘ)	एक कवि को	
(4)	जरा श	ाब्द का हिन्दी पर्यायवाची शब्द है -			1
	(क)	थोड़ा	(평)	ज्यादा	
	(ग)	पर्याप्त	(ঘ)	अधिक	
(5)	'सज्जन	न' शब्द का विलोम है	?		1
	(क)	निर्जन	(평)	बहुजन	
	(刊)	दुर्जन	(घ)	परिजन	
		अ	थवा		

गर्मियों में उनकी 'संझा' कितनी उमसभरी शाम को न शीतल करती । अपने घर के आँगन में आसन जमा बैठते । गाँव के उनके कुछ प्रेमी भी जुट जाते । खँजड़ियों और करतालों की भरमार हो जाती । एक पद बालगोबिन भगत कह जाते, उनकी प्रेमी – मंडली उसे दुहराती, तिहराती । धीरे – धीरे स्वर ऊँचा होने लगता – एक निश्चित ताल, एक निश्चित गित से । उस ताल – स्वर के चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते । धीरे – धीरे मन तन पर हावी हो जाता । होते – होते, एक क्षण ऐसा आता कि बीच में खँजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाच रहे हैं और उनके साथ ही सबके तन और मन नृत्यशील हो उठे हैं। सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओतपोत है।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए।

9				•	
(1)	गर्मियों	ं में बालगोबिन भगत क्या करते थे ?			1
	(क)	संगीत गाते थे	(평)	नृत्य करते थे	
	(ग)	पाठ पढ़ते थे	(ঘ)	मौन रहते थे	
(2)	'संझा'	से लेखक का क्या आशय है ?			1
	(क)	शाम के समय गाए जाने वाले भिक्त	गीत से		
	(碅)	सुबह के समय गाए जाने वाले भक्ति	गीत से	1	
	(ग)	दोपहर के समय गाए जाने वाले भवि	स् तगीत :	से	
	(ঘ)	राह चलते समय गाए जाने वाले भवि	क्त पद	से	
(3)	इस गः	द्यांश में 'प्रेमी' किसे कहा गया है ?			1
	(क)	जो बालगोबिन भगत को आदर देते	एवं गीत	तों को गाते	
	(평)	जो बालगोबिन भगत से बात करते			
	(ग)	जो बालगोबिन भगत के साथ घूमते			
	(ঘ)	जो बालगोबिन भगत के पीछे रहते			
(4)	'संझा'	' शब्द के पर्यायवाची शब्द है –			1
	(क)	प्रात:काल, उषाकाल	(碅)	रात, रजनी	
	(ग)	संध्या, शाम	(ঘ)	सुबह, भोर	
(5)	'धीरे -	- धीरे मन तन पर हावी हो जाता' -	इस पंवि	ऋत का आशय है –	1
	(क)	मन आनंदविभोर हो जाता	(碅)	तन नाचने लगता	
	(刊)	मन दखी हो जाता	(ঘ)	तन गाने लगता	

11.	निम्न	प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए - 2x5:	=10
	(क)	जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात देखा नहीं था तब तक उनके मानस पटल पर उसका कौन-सा चित्र रहा होगा, अपनी कल्पना से लिखिए ।	2
	(ख)	खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे ?	2
	(ग)	'लखनवी अंदाज' कहानी में निहित संदेश पर प्रकाश डालिए ।	2
	(ঘ)	भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों मे लिखिए ।	2
	(퍟)	हालदार साहब ने ड्राइवर को पहले चौराहे पर गाड़ी रोकने के लिए मना किया था लेकिन बाद में तुरंत रोकने को क्यों कहा ?	2
12.	निम्नी	लिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उस आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	
		मन ही मन ही माँझ रही ।	
		कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही ।	
		अविध अधार आस आवन की, तन मन बिधा सही ।	
		अब इन जोग सँदेसनि सुनि – सुनि, बिरहिनि बिरह दही ।	
		चाहति हुतीं गुहारि जितिहं तैं, उत तैं धार बही ।	
		सूरदास अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही ।।	
	(क)	गोपियों की कौन – सी मन की बात मन में ही रह गई ?	1
	(ख)	गोपियाँ किसे गुहार लगाना चाहती थीं ?	1
	(ग)	योग के संदेशों ने गोपियों के हृदय पर क्या प्रभाव डाला था ?	1
	(ঘ)	अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण छाँटकर लिखिए।	1
	(ङ)	उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त भाषा कौन सी है ?	1

अथवा

	उदिध दिध को सो अधिकाइ उमगे अमंद ।	
	बाहर ते भीतर लौं भीति न दिखैए 'देव',	
	दूध को सो फेन फैल्यो आँगन फरसबंद ।	
	तारा सी तरुनि तामे ठाढ़ी झिलमिली होति,	
	मोतिन की ज्योति मिल्यो मिलका को मकरंद ।	
	आरसी से अंबर में आभा सी उजारी लगै,	
	प्यारी राधिका को प्रतिबिंब सो लगत चंद्र ।।	
	उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए -	
	(क) किव कों कल्पना में सुधा मंदिर की रचना किस से की गई है ?	1
	(ख) भवन में बाहर से भीतर तक दीवारें क्यों नहीं दिखाई देती ?	1
	(ग) युवती कैसी प्रतीत हो रही है ?	1
	(घ) अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण लिखिए ?	1
	(ङ) चंद्रमा कैसा प्रतीत होता है ?	1
13.	निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए –	
	(क) कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ?	2
	(ख) किव आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है ?	2
	(ग) किव बादल से प्रहार, रिमिझिम या बरसने के स्थान पर गरजने के लिए कहता है, क्यों ?	1
14.	जॉर्ज पंचम की लाट की नाक को पुन: लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या-क्या यत्न किए ?	5
	अथवा	
	आप के विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है ?	

फटिक सिलानि सौं सुधारयौ सुधा मंदिर,

खंड 'घ'

15. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना - पत्र लिखिए जिसमें विद्यालय की सफाई के बारे में सुझाव दिए गए हों।

अथवा

'दैनिक भास्कर' समाचार - पत्र को खेल विभाग के लिए संवाददाताओं की आवश्यकता है । पद के लिए खेलों का ज्ञान और रुचि के साथ - साथ हिंदी भाषा में अच्छी गति से लिखने का अभ्यास अनिवार्य है । इस पद के लिए आवेदन - पत्र लिखिए।

16. नीचे दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर निबंध लिखिए।

5

जीवन में व्यायाम का महत्व।

शारीरिक स्वास्थ्य आवश्यक – व्यायाम की आवश्यकता – व्यायाम के लाभ – सुंदर– स्वास्थ शरीर का स्वरुप – मन पर अनुकूल प्रभाव – समस्त आनदों का स्रोत व्यायाम।

अथवा

विद्यार्थी जीवन -

मनुष्य का नींव - भरण काल - व्यक्तित्व - निर्माण का काल - शारीरिक विकास का काल - सामाजिक कार्यों में रुचि -साधना का जीवन।

- o O o -